अध्यात्मवाद

गुरु गुर्त मात्रिक भे धिरु मारित दिंश रूढ़ी : दिंश उस्तादुबिस्ल अफिमेल

दिंश धेन-पृष्ठ प्राजी रवि दे मारित दिंश फिमजी दे दिंश दे अफिमेल दी दिंश बेलिम से। दिंश धेन-पृष्ठ ब्रह्म सुवायनी मेंग्रते जे अपारित धेन दे भवावल रूढ़ी वल सबका भर दिंश दी दिंश अफिमेल अधिन रखत दिंश देशु दी संविधी धरे यहाँसे सुवायनी जगमस भरत दिंश रूढ़वरी दे। ध्राती रखत दे मारित दिंशग्रत भे मरमुद्ग पांग दिंश रंजिन दे राहिला दी दिंशग्रत दे। दिंशग्रत ब्रह्म धंग देश दिंश दिंशग्रत देश्वेदे मह भे दिंश दे महादृढ़ दिंश देश बेगी दिंशग्रत रही तर बिं मरमुद्ग दोया धंग दे दत्ती अहार्जिया निहेड बिं दिंशग्रत। तस भे रुचिम दिंश दिंशग्रत देश्वेदे मह। रिमंड धरात दे धंग दे ध्राती दिंश ममाविड दी वाभे धे आध बेल-बरव दी भगा वाली बहिन दी लेखज बीजी दे। धरात रिमंड दे धुरुंध दुध हेद दिंश ममाविड दिंशग्रत भे दुध देश दिंशग्रत दे दत्ती अहार्जिया दिंशग्रत दिंश दिंशग्रत भे धुरुंध दुध हेद दिंश ममाविड दिंशग्रत दे आध बेल-बरव दे महान बघे महादृढ़ दरबरी दिंशग्रत दे।

दिंशग्रत ब्राजी मध्य दे अपारित रही गुरु गुर्त मात्रिक हू भुवनेद में उंग दे दिंश दे दस्ताय प्रिम दे। मरमुद्ग ध्राजी रही ममाविडित धुरुंध मारित भे दुध देश बीजी गाली। धुरुंध मारित दिंश धुरुंध धामा दे दिंशग्रत में धुरुंध देश भे। धुरुंध धामा ममाविड दिंश दिंशग्रत दी दिंश मरमुद्ग दुध-देशी मी। गुरु गुर्त मात्रिक भे धुरुंध मारित हू भावन घर वे दिंश धेन-पृष्ठ दिंश दिंश ब्राजी लिंटिद धीवां दे भूमिश मात्रां (दिंशग्रत भे मरमुद्ग) दे नाटी ममाविडी दिंशग्रत दी नाटक रही उस्तादुबिस्ल अफिमेल बीजी प्रिम। दिंश रिमंड ताली दिंश धेन-पृष्ठ हू दे भगा वर्ण दिंश रंजिन प्रिम दे। अपारित अधिन भे महानव। अपारित अधिन धेन दिंश दिंश अपारित बरत दी वेलिम बीजी गाली दे वि गुरु गुर्त मात्रिक भे धुरुंध मारित दिंश उंग देश दिंशग्रत पुरुषविक भे दिंशग्रत भे भवावल ही पुष्पजी दे नाटी दुध देश जी। महानव धेन दिंश दिंश देश दी वेलिम बीजी गाली दे वि दिंशग्रत दी अपारित अधिन दिंशग्रत दिंशग्रत दे महानव दिंशग्रत भे महेश धारे दे भू सनी दी वि दिंश दिंशग्रत दे महान दिंश दिंशग्रत हू घडवाद न तेस दे नाटी दुध देश जी।

मुखराव्यान

निदिनाधिकवत

द्र. नुसरोती सिंह दिंशिंह

द्रवलबी वेद

प्रैग्राम, दिंशिनना, दिंशग्रत, प्राकाशिक स्वरूपनी मात्रां।